Content

अनुक्रमणिका

प्रथम अध्याय : कमलेश्वर व्यक्तित्व एवं कृतित्व

§क§ कमलेश्वर जीवन परिचय : 1 – 24

§1§ जन्म एवं वंश
§2§ बाल्यकाल
§3§ शिक्षा – दीक्षा
§4§ पारिवारिक जीवन
§5§ व्यवसायिक जीवन
§6§ विचार धाराएं

§ख§ कमलेश्वर का व्यक्तित्व : 24 – 38

§क§ बाह्य पक्ष :
§1§ वेश भूषा
§2§ रहन – सहन
§3§ अभिरुचियाँ
§4§ दिन चर्या
§5§ आचार – व्यवहार
§6§ आतिथ्य भाव
§7§ स्पष्ट वादिता

§ख§ अंत : पक्ष :

§ग§ कमलेश्वर की रचनाधर्मिता के अनेक रूप : 39 –67

§1§ कमलेश्वर सम्पादक के रूप में
§2§ कमलेश्वर आलोचक के रूप में
§3§ नाट्य रूपांतरिक के रूप में
§4§ टेलिविजन और कमलेश्वर
§5§ फिल्में और कमलेश्वर
§6§ कथाकार में --§1§ कहानीकार §2§ उपन्यासकार

द्वितीय अध्याय : कमलेश्वर के साहित्य का वर्गीकरण तथा उसका परिचय ।

68-106

(क) उपन्यास :-

(1) एक सड़क सत्तावन गलियाँ
(2) डाक बंगला
(3) काली आँधी
(4) आगामी अतीत
(5) तीसरा आदमी
(6) समुद्र में खोया हुआ आदमी
(7) लौटे हुए मुसाफिर
(8) वही बात
(9) सुबह दोपहर शाम

107-228

(ख) कहानी :-

कमलेश्वर के निम्न लिखित कहानी संग्रह :-

(1) जिंदा मुर्दे
(2) बयान तथा अन्य कहानियाँ
(3) श्रेष्ठ कहानियाँ
(4) मांस का दरिया
(5) मेरी प्रिय कहानियाँ
(6) खोई हुई दिशाएँ
(7) राजा निरबंसिया
(8) कस्बे का आदमी

तृतीय अध्याय : 229–253

§अ§ प्रस्तावना

§आ§ कथावस्तु की प्रमुख विशेषताएँ

§1§ मौलिकता

§2§ प्रबन्ध कौशल

§3§ संभवता

§4§ सुगठन

§इ§ कथावस्तु के भेद

§ई§ कमलेश्वर जी के उपन्यासों का कथा संगठन

§1§ एक सड़क सत्तावन गलियाँ

§2§ डाक बँगला

§3§ काली आँधी

§4§ आगामी अतीत

§5§ तीसरा आदमी

§6§ समुद्र में खोया हुआ आदमी

§7§ लौटे हुए मुसाफिर

§उ§ कमलेश्वर जी की कहानियों का कथा – संगठन

चतुर्थ अध्याय : 254–296

§अ§ प्रस्तावना

§आ§ पात्रों के प्रकार

§इ§ चरित्र चित्रण की रीतियाँ

§ई§ कमलेश्वर जी के उपन्यासों में चरित्र सृष्टि

§उ§ पात्रों के नामाकरण द्वारा चरित्र – चित्रण

§ऊ§ उपन्यासों में मुख्य पात्रों का परिचय

पंचम अध्याय : 297–305

§अ§ समसामयिकता

§आ§ कमलेश्वर जी के उपन्यास तथा कहानी में देशकाल और समसामयिक समाज

§इ§ वातावरण सृष्टि --- §1§ प्रकृति वर्णन §2§ समाज वर्णन

षष्ठ अध्याय :

306 – 325

कमलेश्वर के कथा साहित्य का शिल्प शैष्ठव, कथोपकथन तथा भाषिक संरचना

§अ§ कमलेश्वर के कथा – साहित्य का शिल्प सौष्ठव

प्रस्तावना

शिल्प – विधि के प्रकार

§1§ वर्णनात्मक

§2§ विश्लेषणात्मक

§3§ प्रतीकात्मक

§4§ नाटकीय

§5§ समन्वित

§आ§ कमलेश्वर जी के उपन्यासों में संवाद – संवाद के प्रकार

§1§ कथानक को गति प्रदान करना

§2§ पात्रों के चरित्र का विश्लेषण करना

§3§ कथाकार उद्देश्य को स्पष्ट करना

§4§ कथोपकथन के व्याज से पूर्व संकेत करना

सप्तम अध्याय : उपसंहार

326 – 337

परिशिष्ट : 1| संदर्भ ग्रंथों की सूची

2| आलोच्य ग्रंथों की सूची

3| अंग्रेजी ग्रंथों की सूची

4| मराठी ग्रंथों की सूची

5| पत्र – पत्रिकाएं